जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 29 नवंबर 2019

एमएचआरडी-एसपीएआरसी के सहयोग से जामिया में " थिंकिंग फ्राम ग्लोबल साउथः जनरेटिंग कॉन्सेप्ट" पर सार्वजनिक व्याख्यान

जामिया मिलिया इस्लामिया के अंग्रेज़ी विभाग ने एमएचआरडी-एसपीएआरसी के सहयोग से 28 नवंबर 2019 को "थिंकिंग फ्राम ग्लोबल साउथः जनरेटिंग कॉन्सेप्ट" पर एक सार्वजनिक व्याख्यान का आयोजन किया।

दक्षिण अफ्रीका के विटवाटरसैंड विश्वविद्यालय से प्रोफेसर दिलीप एम मेनन इसके मुख्य वक्ता थे। इसकी अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रोफेसर शाहिद आमिर ने की। अंग्रेजी विभाग के प्रमुख प्रोफेसर निशात जैदी के स्वागत भाषण इसकी शुरूआत हुई। प्रोफेसर मेनन ने इस अहम सवाल से अपना व्याख्यान शुरू किया कि दुनिया को बांटने और ग्लोबल साउथ के नज़रिए से सोचने के मायने क्या हैं, खासकर ऐसे समय में जब ग्लोबल वार्मिंग जैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के संदर्भ में तत्काल कुछ करने की भावना हावी है। प्रोफेसर मेनन ने ग्लोबल साउथ को एक सतत परियोजना के रूप में परिभाषित किया, जो एक वैचारिक और अनुभवात्मक श्रेणी है और भौगोलिक सीमाओं से परे है।

दुनिया के आज के हालात से निपटने के लिए उन्हांेने यूरो-अमेरिकी विचार की अवधारणाओं की सीमाओं से हट कर सोचने पर ज़ोर दिया।

उन्होंने फीस वृद्धि और अपनी विशिष्ट जरूरतों के मुताबिक सिलबस बनाने को लेकर दक्षिण अफ्रीका के अपने स्वयं के विश्वविद्यालय में आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि वास्तव में एक देश की जरूरतों के हिसाब से यह सब तय होना चाहिए।

व्याख्यान के बाद कार्यक्रम के अध्यक्ष, प्रोफेसर शाहिद अमीन ने छात्रों और प्रोफेसर मेनन के बीच दिलचस्प संवाद सत्र का संचालन किया।

इसमें न सिर्फ जामिया के अंग्रेजी विभाग के छात्रों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया, बल्कि अन्य विभागों और विश्वविद्यालयों के लोगों ने भी हिस्सा लिया।

इसका समापन प्रोफेसर निशात जैदी के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक